%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D. )

%%p. 030

No. 019

Lakṣhmī-Narasiṃha Temple at Siṃhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1199; A. R. No. 365-XXXII of 1899 )

Ś. 1129

(१।) अस्ति कालिंगवंशेस्मिन् मुंवांवाख्यात्मजो विभुः......

मंत्री मंत्र-

(२।) विदां वरः जातो वंशकर[ः] श्रीमानुत्तरीश्वरनायकात्

विनयोदारसंपन्नो निजधर्म्म-

(३।) परायण[ः ।] [१] शाके समे निधि-मुज-क्षिति-चंद्रसंख्ये

सूर्य्यो कुलीरमभियाति शुभे दिनेस्मि[न्] दीपं ददौ

(४।) नरहरिप्र[चुर]प्रतापं यावन्महीहरिगिरींद्रनिवासिनेसौ

[२] [।। स्वस्ति] श्री [।।] शकवरुषंवुलु ११२९ गु-

(५।) नें(ने)ण्टि श्रीमत्सिंहगिरि श्रीनरसिहदेवरकु कक्कंट

संक्रांत्तिनिमित्तमुगा कर्क शुद्ध द्वितीय-

(६।) यु गुरु<2> पुष्यमुनांडु वल्लुप्रधानुलु तम तल्लि [गा]म...

मनायकुर्राल[कुन्लु तंड्रि]

(७।) उत्तरीश्वरनायकुनिकि अद्रिष्टात्थमुगां वेट्टिन अखंडदी....

सिंग्गि आ....ईय...

(८।) यकुलकुं गालोवित[मू]ल्य[मु पे]ट्टि रुट्टेंडु क्षेत्रमु......

पलर्रालु वेट्टि[पा]-

<1. On the wall (out side) of the Asthāna-maṇḍapa of this temple.>

<2. The corresponding date is the 28th June, 1207 A. D., Thursday.>

%%.p. 031

(९।) [दु]टं जेसि ई भूमि फलभोगमु[न]ंद्दु ई यूरि

एल्लमनायकु [प]तिनायकु कोमा-

(१०।) दिनायकु नारपनायकु कोडुकु [प]तिनायकुंडु

चिंगमनायकु वेरसि नायकुलुं गर-

(११।) ण अप्पिनायकु डुनुनै एकच्छायंद्दु प्रतिसंवत्सरमुलु

नालु पुट्लुं व-

(१२।) ंदुमेसि नून्य श्रीनरसिहदेवर श्रीभडारमुनकु गोलिचुट

जेसि ई दीपमु

(१३।) आचंद्रार्क्क स्थाइगां जेल्लंगलयदि [।।]